



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 142 राँची, सोमवार 10 चैत्र 1936 (श०)

31 मार्च, 2014 (ई०)

#### कृषि एवं गन्ना विकास विभाग ।

अधिसूचना

10 मार्च, 2014

**संख्या-820--**कृषि एवं गन्ना विकास विभाग तिथि-10 मार्च, 2014 'भारत का संविधान' के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड के राज्यपाल एतद द्वारा कृषि एवं गन्ना विकास विभाग के नियंत्रणाधीन निदेशालय में अराजपत्रित पदों पर भर्ती, प्रोन्नति एवं सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए निम्नांकित झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013 बनाते हैं:-

#### झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013

##### अध्याय-1

##### प्रारंभिक

#### 1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :

- यह नियमावली 'झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013' कहलाएगी।
- इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा।
- यह नियमावली राजकीय गजट में अधिसूचना की तिथि से प्रवृत्त होगी।

## 2. परिभाषाएँ: इस नियमावली में जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो।

- i. 'झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा' से अभिप्रेत है राज्य की कृषि अधीनस्थ सेवा।
- ii. 'विभाग' से अभिप्रेत है कृषि एवं गन्ना विकास विभाग।
- iii. 'संवर्गीय पद' से अभिप्रेत है राज्य सरकार के कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा चिन्हित पद।
- iv. 'कोटि' से अभिप्रेत है बिहार कृषि सेवा अधिनियम, 1982 की कंडिका 2 के अनुरूप अनुसूची-1 में उद्धृत विभिन्न कोटि-1 से कोटि-9 तक (कोटि क्रमांक-4 एवं कोटि-6 को छोड़कर)
- v. 'राज्य' से अभिप्रेत है झारखण्ड राज्य।
- vi. 'आयोग' से अभिप्रेत है, झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग।
- vii. 'राज्यपाल' से अभिप्रेत है झारखण्ड के राज्यपाल।
- viii. 'संवर्ग' से अभिप्रेत है झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा के अन्तर्गत सरकार द्वारा अराजपत्रित पदाधिकारियों के सृजित पदों का संवर्ग।
- ix. 'नियुक्ति प्राधिकार' से अभिप्रेत है अराजपत्रित पदों के संदर्भ में कृषि एवं गन्ना विकास विभाग के संबंधित निदेशक।
- x. 'सरकार' से अभिप्रेत है झारखण्ड सरकार।

## 3. झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा का गठन :-

संवर्गीय पदों पर नियुक्ति एवं प्रोन्नत कर्मियों को सम्मिलित कर झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा का गठन होगा।

## 4. संवर्ग की संख्या और संरचना :-

- 4.1 नियम-3 के अधीन गठित विभिन्न कोटि और संरचना का अवधारण राज्य सरकार के कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा किया जाएगा तथा इसे राजपत्र में प्रकाशित किया जाएगा। जब तक ऐसा प्रकाशन नहीं हो जाता तब तक यह इस नियमावली के प्रारंभ होने के ठीक पहले प्रवृत्त स्थिति बना रहेगा।
- 4.2 कैडर विभाजन के उपरांत अंतिम रूप से बिहार राज्य से प्राप्त पदों तथा उसके बाद की तिथियों में समय-समय पर आवश्यकतानुसार अधीनस्थ सेवा के स्वीकृत बल का पुनर्निर्धारण तथा स्थायी/अस्थायी पदों का सृजन कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा किया जा सकेगा।

4.3 इस नियमावली के नियम-5 में उल्लेखित विभिन्न कोटि के पदों का वर्गीकरण के तहत ही इस संवर्ग के पदाधिकारियों का प्रोन्नति का पद सोपान निम्नवत होगा :-

क्र० सं०	कोटि	मूल कोटि का पद, (वेतनमान 9300-34800, ग्रेड पे-4200/-)	प्रोन्नति का प्रथम पद सोपान (वेतनमान 9300- 34800, ग्रेड पे- 5400/-)	प्रोन्नति का द्वितीय पद सोपान (वेतनमान 15600- 39100, ग्रेड पे- 6600/-)	प्रोन्नति का तृतीय पद सोपान (वेतनमान 15600- 39100, ग्रेड पे- 7600/-)
1	2	3	4	5	6
1	कोटि-1(शप्य)/कोटि-3 (कृषि रसायन)/कोटि-5(पौधा संरक्षण)	प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/सहायक अनुसंधान पदाधिकारी/ पौधा संरक्षण निरीक्षक एवं समकक्ष	सहायक निदेशक एवं समकक्ष	उप निदेशक एवं समकक्ष	संयुक्त निदेशक एवं समकक्ष
2	कोटि-2 (कृषि अभियंत्रण)	कनीय अभियंता (कृषि अभियंत्रण एवं समकक्ष)	सहायक अभियंता एवं समकक्ष	उप निदेशक एवं समकक्ष	संयुक्त निदेशक एवं समकक्ष
3	कोटि-7 (उद्यान)	अनुमंडल उद्यान पदाधिकारी एवं समकक्ष	जिला उद्यान पदाधिकारी एवं समकक्ष	उप निदेशक एवं समकक्ष	संयुक्त निदेशक एवं समकक्ष
4	कोटि-8 (माप तौल एवं विपणन)	निरीक्षक, माप एवं तौल एवं समकक्ष	सहायक नियंत्रक माप एवं तौल एवं समकक्ष	उप निदेशक एवं समकक्ष	संयुक्त निदेशक एवं समकक्ष
5	कोटि-9 (सांख्यिकी)	सांख्यिकी सहायक एवं समकक्ष पद	जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी एवं समकक्ष	उप निदेशक सांख्यिकी एवं समकक्ष	संयुक्त निदेशक एवं समकक्ष

### 5. झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा के विभिन्न कोटि के पद का वर्गीकरण तथा नियुक्ति प्राधिकार:

क्र० सं०	पद का नाम	वर्गीकरण	कोटि	वर्तमान में लागू वेतनमान	शैक्षणिक योग्यता	नियुक्ति प्राधिकार
1	2	3	4	5	6	7
1	प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/ सहायक अनुसंधान पदाधिकारी/ पौधा संरक्षण निरीक्षक एवं समकक्ष पद	अराजपत्रित (तृतीय वर्ग)	कोटि-1 (शष्य)/ कोटि-3 (कृषिरसायन) /कोटि-5(पौधा संरक्षण)	पे0बै0- 9300-34800 (पी0बी0-II) ग्रेड पे0-4200	कृषि विज्ञान स्नातक	कृषि निदेशक
2	कनीय अभियंता (कृषि अभियंत्रण)	तथैव	कोटि-2 (कृषि अभियंत्रण)	पे0बै0- 9300-34800 (पी0बी0-II) ग्रेड पे0-4200	कृषि अभियंत्रण- या यांत्रिकी अभियंत्रण में स्नातक डिग्री	कृषि निदेशालय के अधीन स्वीकृत पदों के नियुक्ति पदाधिकारी कृषि निदेशक तथा उद्यान निदेशालय के अधीन स्वीकृत पदों के नियुक्ति पदाधिकारी निदेशक भूमि संरक्षण
3	अनुमंडल उद्यान पदाधिकारी एवं समकक्ष पद	तथैव	कोटि-7 (उद्यान)	पे0बै0- 9300- 34800 (पी0बी0-II) ग्रेड पे0-4200	उद्यान स्नातक/ वानिकी स्नातक/ कृषि विज्ञान स्नातक	निदेशक उद्यान
4	निरीक्षक माप एवं तौल	तथैव	कोटि-8 (माप तौल एवं विपणन)	पे0बै0- 9300-34800 (पी0बी0-II) ग्रेड पे0-4200	विज्ञान (भौतिकी)/ कृषि विज्ञान/ अभियंत्रण में स्नातक	कृषि निदेशक
5	सांख्यिकी सहायक एवं समकक्ष पद	तथैव	कोटि-9 (सांख्यिकी)	पे0बै0- 9300- 34800 (पी0बी0-II) ग्रेड पे0-4200	सांख्यिकी/गणित/ अर्थशास्त्र में स्नातक	कृषि निदेशक

## अध्याय-2

### भर्ती/ नियुक्ति

#### 6. भर्ती का श्रोत :-

- 6.1 कृषि अधीनस्थ सेवा के पदों (जो नियम-5 में उल्लेखित हैं) की 50 प्रतिशत रिक्तियाँ झारखण्ड राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा के उपरांत की गयी अनुशंसा के आधार पर भरी जाएगी।
- 6.2 विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा पर शेष 50 प्रतिशत रिक्तियाँ, कृषि अधीनस्थ सेवा की विभिन्न कोटियों के नियम-5 में वर्णित पदों के ठीक नीचे स्तर एवं समकक्ष पदों के अराजपत्रित कर्मचारियों को प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी।
- 6.3 **विभागीय प्रोन्नति समिति:-**

प्रोन्नति के लिए कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा संबंधित निदेशालय के अन्तर्गत विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन, राज्य सरकार के नियमों के आलोक में किया जाएगा।

विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा के आधार पर ही कृषि अधीनस्थ सेवा के विभिन्न कोटि के पदों पर प्रोन्नति देय होगी।

#### 7. रिक्तियों का निर्धारण एवं संसूचन :

कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष की 31 दिसम्बर तक की रिक्तियों की संख्या, अनारक्षित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी (अनुसूची-1 एवं 2) के लिए पदों की संख्या निर्धारित (अवधारित) करेगा तथा इसकी सूचना नियुक्ति हेतु अगले वर्ष की 31 जनवरी तक आयोग को देगा।

#### 8. आरक्षण :-

कृषि अधीनस्थ सेवा में सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति एवं प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति तथा उच्चतर कोटियों में आरक्षण झारखण्ड सरकार के आरक्षण अधिनियम/नियमावली तथा उसके तहत संकल्पों/अनुदेशों एवं रोस्टर का अनुपालन अनिवार्य होगा।

## अध्याय-3

### सीधी नियुक्ति द्वारा भर्ती

#### 9. सीधी भर्ती हेतु अहर्ता :-

- 9.1 आयु सीमा:- उम्मीदवार की आयु न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम वही होगी जो राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित हो।
- 9.2 न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता :- कोई व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा तब तक नियुक्ति नहीं किया जाएगा जब तक कि वह विभिन्न कोटि के पद के अनुरूप अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता न रखता हो:-
  - i. कोटि-1, 3 एवं 5 के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कृषि विज्ञान में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य होगा।

- ii. कोटि-2 के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कृषि अभियंत्रण या यांत्रिकी अभियंत्रण में स्नातक होना अनिवार्य होगा।
- iii. कोटि-7 के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से उद्यान या वानिकी या कृषि विज्ञान में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य होगा।
- iv. कोटि-8 के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान (भौतिकी) या अभियंत्रण या कृषि विज्ञान में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य होगा।
- v. कोटि-9 के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र में स्नातक डिग्री होना अनिवार्य होगा।

#### 10. आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की अनुशंसा :-

- 10.1 विभाग द्वारा अध्याचित मूल कोटि की रिक्तियों के आधार पर आयोग विज्ञापन प्रकाशित कर योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करेगा।
- 10.2 रिक्त पदों के विरुद्ध प्राप्त आवेदनों के आधार पर आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी।
- i. आयोग द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम के अनुरूप लिखित एवं साक्षात्कार परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

#### लिखित परीक्षा हेतु विषय :-

क्रमांक	विषय	पूर्णांक	समय	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1	<b>प्रथम पत्र -सामान्य ज्ञान (अनिवार्य विषय)</b> 1. सामान्य विज्ञान (सामान्य अंक गणित)-90 अंक 2. भूगोल (विशेषकर भारत एवं झारखण्ड के संदर्भ में, मिट्टी, जलवायु, वर्षापात, फसलें वनस्पति आदि सहित)-90 अंक 3. भारतीय इतिहास (विशेषकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं इसमें झारखण्ड की देन)-60 अंक 4. वर्तमान समसामयिक घटनाक्रम (विशेषकर झारखण्ड के संदर्भ में)-60 अंक	300	3 घंटा	सभी अभ्यर्थी के लिए अनिवार्य
2	<b>द्वितीय पत्र - वैकल्पिक विषय</b> समूह "क"- कोटि-1 (शष्प्य), कोटि-3 (कृषि रसायन) कोटि-5 (पौधा संरक्षण), के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से <b>कृषि विज्ञान में स्नातक</b> होना अनिवार्य है।	300	3 घंटा	प्रत्येक समूह के अभ्यर्थी के लिए उनका

	<p>समूह "ख"- कोटि-2 (कृषि अभियंत्रण) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से <b>कृषि अभियंत्रण या यांत्रिकी अभियंत्रण में स्नातक</b> होना अनिवार्य है।</p> <p>समूह "ग"- कोटि-7 (उद्यान) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से <b>उद्यान/वानिकी/कृषि विज्ञान में से किसी एक विषय में स्नातक</b> होना अनिवार्य है।</p> <p>समूह "घ"- कोटि-8 (माप तौल एवं विपणन) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से <b>विज्ञान (भौतिकी)/कृषि विज्ञान/ अभियंत्रण में से किसी एक विषय में स्नातक</b> होना अनिवार्य है।</p> <p>समूह "ड."- कोटि-9 (सांख्यिकी) के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से <b>सांख्यिकी/गणित/अर्थशास्त्र में से किसी एक विषय में स्नातक</b> होना अनिवार्य है।</p>			कोई एक विषय
3	<b>साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा</b>	100		
	<b>कुल योग</b>	700		

(क) सामान्य ज्ञान में अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा निर्धारित उर्तीणांक प्राप्त करना होगा।

(ख) वैकल्पिक विषय में से अभ्यर्थी को कोई एक विषय में परीक्षा देना अनिवार्य होगा।

II. अनिवार्य विषय एवं वैकल्पिक विषय एवं साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों को जोड़कर मेधा सूची तैयार की जाएगी।

III. पाठ्यक्रम:-

(क) लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान का पाठ्यक्रम वही होगा जो आयोग द्वारा संचालित संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के लिए निर्धारित हो।

(ख) लिखित परीक्षा में वैकल्पिक विषय का पाठ्यक्रम विषयवार आयोग द्वारा संचालित संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा/विश्वविद्यालय/मान्यता प्राप्त संस्थान के स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के अनुरूप होगा।

उपर्युक्त गणना के उपरांत कुल प्राप्तांकों के आधार पर मेधा सूची तैयार की जाएगी। परन्तु यह कि उक्त गणना के मेधा सूची में प्रविष्टि के लिए न्यूनतम कट-ऑफ मार्क्स का निर्धारण कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या-13026 दिनांक-27 नवम्बर, 2012 के अनुरूप किया जायेगा।

- 10.3 उपर्युक्त कंडिका-10.2 के प्रावधानों के आलोक में आयोजित लिखित सह मौखिक परीक्षा, अनिवार्य विषय-300, वैकल्पिक विषय-300 तथा साक्षात्कार/मौखिक परीक्षा-100 कुल प्राप्तांकों-700 के आधार पर आयोग मेधा सूची तैयार कर नियुक्ति हेतु अनुशंसा करेगा।
- 10.4 उपर्युक्त कंडिका-10.3 क्रम में मेधा सूची तैयार करने के दौरान यदि दो अथवा दो से अधिक अभ्यर्थियों के कुल प्राप्तांक समान हो तो स्नातक उपाधि के प्राप्तांक प्रतिशत के आधार पर मेधा क्रम तैयार किया जायेगा।
- इसके उपरांत भी यदि प्राप्तांक समान हो तो अधिक उम्र वाले अभ्यर्थी पारस्परिक रूप से मेधा क्रम में उपर होंगे।
- 10.5 आयोग की अनुशंसा के आलोक में चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति सक्षम प्राधिकार द्वारा की जाएगी।
- 10.6 आयोग द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों को नियुक्ति के समय स्वास्थ्य जाँच प्रमाण-पत्र देना होगा, जो असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी अथवा उनके अधीन गठित चिकित्सीय बोर्ड द्वारा निर्गत हो।
- 10.7 आयोग द्वारा अनुशंसित मेधा सूची विभाग में प्राप्ति की तिथि से एक वर्ष तक वैध रहेगी।
- 10.8 विभाग की अधियाचना के अनुरूप झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग की अनुशंसा के बाद यदि कोई उम्मीदवार योगदान नहीं देता है तो उक्त रिक्ति अगले वर्ष हेतु अग्रणीत की जायेगी।

#### अध्याय -4

##### प्रोन्नति

#### 11. परीक्ष्यमान अवधि/प्रशिक्षण/सम्पुष्टि :

- 11.1 नियुक्ति की तिथि से 2 वर्षों की परीक्ष्यमान अवधि होगी। परीक्ष्यमान अवधि एवं प्रशिक्षण संस्थान से अपेक्षित प्रशिक्षण, सफलतापूर्वक पूरा करने और विभागीय परीक्षा एवं क्षेत्रीय भाषा की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही सेवा सम्पुष्ट की जाएगी।
- 11.2 विभागीय परीक्षा रूल्स फॉर डिपार्टमेंटल एग्जैमिनेशन ऑफ गजेटेड ऑफिसर्स, 1961 के अनुसार केन्द्रीय परीक्षा समिति (राजस्व पर्वद) द्वारा ली जाएगी।

#### 12. वरीयता का निर्धारण :

- 12.1 आयोग द्वारा अनुशंसित सीधे नियुक्त पदाधिकारियों की वरीयता मेधानुक्रम में निर्धारित होगी।



- 12.2 प्रोन्नति प्राप्त पदाधिकारियों की वरीयता उनकी पूर्व की पारस्परिक वरीयता के अनुसार निर्धारित की जाएगी।
- 12.3 सीधी नियुक्ति वाले पदाधिकारी, जो प्रोन्नति प्राप्त पदाधिकारीगण के योगदान की तिथि को यदि योगदान देते हैं, तो ऐसे पदाधिकारी प्रोन्नति प्राप्त पदाधिकारियों से कनीय होंगे एवं उनकी पारस्परिक वरीयता का निर्धारण उनकी मूल कोटि पद पर नियुक्ति के समय प्रकाशित अंतिम वरीयता सूची के आधार पर किया जाएगा।
- 12.4 वरीयता का निर्धारण कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प/परिपत्र के अनुसार किया जाएगा।

### 13. प्रोन्नति:-

- 13.1 कृषि अधीनस्थ सेवा के विभिन्न कोटि में नियुक्त कर्मचारियों को उसी कोटि में झारखण्ड कृषि सेवा के मूल कोटि वर्ग-2 के कुल स्वीकृति पदों के 25 प्रतिशत पदों पर प्रोन्नति राजपत्रित पदाधिकारियों के लिए गठित झारखण्ड कृषि सेवा (भर्ती एवं प्रोन्नति) नियमावली, 2013 में प्रोन्नति के लिए निहित प्रावधान के आलोक में किया जाएगा।

### 13.2 कालावधि:-

झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा का संवर्ग राज्य स्तरीय होगा। झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा से झारखण्ड कृषि सेवा की मूल कोटि वर्ग -II के पदों में प्रोन्नति के लिए कालावधि का निर्धारण कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के परिपत्र/समय पर निर्गत दिशा-निर्देश/संकल्प के अनुसार होगा।

स्वच्छता प्रमाण पत्र के संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा निर्गत निदेशों के आलोक में कार्रवाई की जाएगी।

### 13.3 विभागीय प्रोन्नति समिति:-

झारखण्ड कृषि सेवा की मूल कोटि वर्ग- II के पदों पर प्रोन्नति के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति का गठन कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के निर्गत संकल्पों/अनुदेशों के आलोक में कृषि एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा किया जायेगा।

विभागीय प्रोन्नति समिति एवं झारखण्ड लोक सेवा आयोग की अनुशंसा के आधार पर प्रोन्नति देय होगी।

- 13.4 प्रोन्नति का आधार वरीयता सह योग्यता होगा।

## अध्याय-5

### विविध

#### 14. पदस्थापन एवं स्थानांतरण :-

- 14.1 झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा की विभिन्न कोटि के कर्मचारियों का पदस्थापन अपनी ही कोटि में होगा।
- 14.2 संवर्ग में नियुक्त कर्मचारियों का पदस्थापन सम्पूर्ण राज्य में किया जा सकेगा।
- 14.3 सामान्यतः कर्मचारियों का स्थानान्तरण तीन वर्षों तक कार्यरत रहने के उपरांत ही किया जायेगा, परन्तु सरकार विशेष परिस्थिति में एवं अन्य प्रशासनिक कारणों से तीन वर्ष के पूर्व भी स्थानान्तरण कर सकेगी।
- 14.4 विभाग द्वारा गठित निदेशालय स्तरीय स्थापना समिति की अनुशंसा के आलोक में संवर्गीय कर्मचारियों का पदस्थापन एवं स्थानान्तरण किया जायेगा।

#### 15. प्रतिनियुक्ति :

- 15.1 इस सेवा के सदस्यों के पदस्थापन एवं प्रतिनियुक्ति के संबंध में राज्य सरकार के नियम लागू होंगे।

#### 16. वेतन एवं भत्ते :

- 16.1 कृषि अधीनस्थ सेवा में नियुक्त कर्मियों का वेतन एवं भत्ता इस नियमावली के अनुसूची-5 के कॉलम (5) के अनुरूप अनुमान्य होगा एवं इसके बाद की तिथियों में सरकार द्वारा यथानिर्धारित वेतन एवं भत्ते देय होंगे।
- 16.2 कृषि अधीनस्थ सेवा में नियुक्त कर्मचारियों की पेंशन झारखण्ड राज्य सरकार सेवक अंशदायी पेंशन योजना, 2004 एवं इस नियमावली के प्रवृत्त होने के पूर्व में नियुक्त/ प्रोन्नत कर्मचारियों का पेंशन नियमावली, 1950 से आच्छादित होगी तथा सेवा की अन्य शर्तें झारखण्ड सेवा संहिता के नियमों एवं समय-समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग/ वित्त विभाग द्वारा निर्गत नियमों/परिपत्रों/संकल्पों द्वारा विनियमित एवं आच्छादित होगी।

#### 17. प्रशिक्षण :

- 17.1 सीधी भर्ती के आधार पर नियुक्त कर्मियों की राज्य सरकार द्वारा यथा निर्धारित प्रशिक्षण संस्थान में आरम्भ के चार माह का आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (**Foundation Training Course**) आयोजित किया जायेगा। इसके पश्चात अठारह माह का क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तदोपरान्त दो माह का अंतिम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत ली गई परीक्षा में सफल होना अनिवार्य होगा, जिसके आधार पर ऐसे नियुक्त कर्मों की सेवा सम्पुष्ट की जाएगी।

17.2 अंतिम परीक्षा में असफल पदाधिकारी की परीक्ष्यमान अवधि एक बार में छः माह तक विस्तारित की जाएगी, जिसके उपरांत आयोजित परीक्षा में सफल होना अनिवार्य होगा, अन्यथा ऐसे कर्मियों की सेवा सम्पुष्टि पर विचार नहीं किया जाएगा तथा विभाग द्वारा इस क्रम में आवश्यकतानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

17.3 झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा के पदों पर प्रोन्नति द्वारा नियुक्त पदाधिकारी के प्रशिक्षण की अवधि दो माह होगी, जिसके उपरांत आयोजित परीक्षा में सफल होना अनिवार्य होगा।

ऐसे असफल पदाधिकारी को प्रासंगिक परीक्षा में सफल होने हेतु दो और अवसर प्रदान किये जाएंगे, जिसमें असफल रहने की स्थिति में उन्हें दी गई प्रोन्नति को रद्द किया जा सकेगा।

17.4 इस सेवा के सदस्यों को प्रशिक्षण के लिए राज्य में या राज्य के बाहर अथवा देश के बाहर, राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अवधि के लिए भेजा जा सकेगा।

## 18. अन्य सेवा शर्तें :

इस सेवा के लिए अन्य सेवा शर्तें, यथा-अनुशासनिक कार्रवाई, छुट्टी, वेतन, देय सेवा निवृत्ति इत्यादि, जो इस नियमावली से आच्छादित नहीं है या इस सेवा के लिए अलग से अधिसूचित नहीं हैं, के संबंध में राज्य सरकार के पदाधिकारियों के लिए उसी प्रकार की सेवा नियमावली में किए गए संबंधित प्रावधानों से नियंत्रित होंगे।

## 19. नियुक्ति प्राधिकार का नियंत्रण :

झारखण्ड कृषि अधीनस्थ सेवा में नियुक्त कर्मचारी/पदाधिकारी अंतिम रूप से प्रशासी विभाग, यथा- कृषि एवं गन्ना विकास विभाग के नियंत्रणाधीन होंगे।

## 20. अनुशासनिक कार्रवाई :-

इस संवर्ग में अनुशासनिक कार्रवाई के प्रयोजनार्थ बिहार एवं उड़ीसा अवर सेवाएँ (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1935 प्रभावी होगी।

## 21. निरसन एवं व्यावृत्ति :

21.1 इस नियमावली के प्रभावी होने की तिथि से सभी प्रासंगिक परिपत्र / निर्णय निरसित समझे जायेंगे।

21.2 ऐसे निरसन के बावजूद इस नियमावली के प्रभावी होने के पूर्व इस सेवा के संबंध में लिए गये निर्णयों के संबंध में माना जायेगा कि सभी निर्णय इस नियमावली के अधीन लिये गये हैं।

21.3 राज्य सरकार प्रशासी विभाग के माध्यम से इस नियमावली के किसी प्रावधान का संशोधित करने की शक्ति रखती है तथा किसी प्रकार की शंका के निवारण हेतु निदेश/परिपत्र निर्गत कर सकती है और उसका विनिश्चय अंतिम होगा।

21.4 इस नियमावली के गठन हो जाने पर बिहार कृषि सेवा अधिनियम, 1982 से संबंधित प्रावधान को आवश्यकता के अनुसार निरसन की कार्रवाई की जाएगी।

**22. निर्वचन :**

इस नियमावली की किसी बिन्दु के व्याख्या, आवश्यकता पड़ने पर उसका निर्णय कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग एवं वित्त विभाग के परामर्श से किया जाएगा, जो अंतिम एवं निर्णायक होगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**डॉ० नितिन मदन कुलकर्णी,**

सरकार के सचिव ।

-----